3) ordinare, instituere. Mah. 1. 5549.: सर्वकार्याणि दण्डेनै ’व विधारयेत्.

c. सम् *Caus.* 1) tenere, gerere, habere. Mah. 1. 6383.: ब्राह्मं सन्धारयंस् तेजस्. 2) sustentare, conservare. Mah. 3. 168.: त्वया सन्धार्यते लोकः. 3) perferre, pati. R. Schl. II. 63. 38.: तौ ... कष्टान् तृष्णां सन्धारयिष्यतः. 4) retinere, cohibere, reprimere. Mah. 1. 3323.: यः सन्धारयते मन्युम्.

2. धृ 1. *A.* (अवध्वंसे) decidere, delabi.

धृक् ferens, gerens *in fine compp.* Dr. 8. 10.: खड्गधृक्; A. 3. 5.: पिनाकधृक्. Quum hoc vocabulum hucusque solum in nomin. invenerim, dubium mihi est de verâ ejus thematis formâ et origine; nominativus enim धृक् ortus esse potest e thematis धृक्, धृच्, धृज्, धृष्; nec non e दृह्, regressâ aspiratione secundum euphoniae r. 84[a].

धृज् 1. *P.* (गतौ) ire; *v.* धृञ्ज्, ध्रञ्ज्, ध्रिज्.

धृञ्ज् 1. *P.* (scribitur धृज्, gr. 110[a].) *id.*

धृतराष्ट्र *m.* (*bah.* e धृत et राष्ट्र) *n. pr.*

धृति *f.* (r. धृ s. ति) constantia. N. 6. 10. Bh. 18. 33. 34.

1. धृष् 5. *P.* 1) audere. Mah. 1. 35. 73.: न त्वान् धृष्णुमः प्रष्टुम्. *Part. pass.* धृष्ट audax. Bhar. 3. 48. R. Schl. II. 96. 43. 2) sustinere, resistere. Mah. 6. 453.: वयं हि शक्तिसम्पन्ना अकाले त्वाम् अधृष्णुम. (V. 2. धृष् et cf. gr. *θάρσος, θαρσέω, θράσος, θρασύς*; lith. *drasùs* audax, *drystu* audeo, praet. *drysau*; goth. *ga-DARS* audere, *ga-dars* audeo, audet, *ga-daursum* audemus (praet. cum signif. praes.); germ. vet. *TARR, DARR* per assimil. e *TARS, DARS, ge-tars-t* audes, v. Graff. 5. 441.; hib. *dasachd* «fierceness, boldness», *dasidh* «furious, mischievous», *donaighim* «I dare, defy, adventure».)

2. धृष् 1. et 10. *P.* laedere, violare, opprimere, superare. N. 3. 15.: तेजसा तस्य धर्षिताः; R. Schl. I. 24. 13.: न सुप्तन् धर्षयिष्यन्ति नैर्ऋताः; I. 25. 11.: तपस्यन्तम् इह स्थाणुम् ... अधर्षयद् दुर्मेधाः; Mah. 1. 3454.: जरा त्वाम् अचिराद् धर्षयिष्यति; 1. 1677.: न हि तं राजशार्दूलम् अधर्षयन्. — धर्षयितुं स्त्रियम् feminam violare, stuprare. R. Schl. I. 49. 6.: ऋषिपत्नीन् धर्षयित्वा; N. 10. 14.: नचै ’षा तेजसा शक्या कैश्चिद् धर्षयितुम् पथि.

c. प्र *i. q. simpl.* R. Schl. I. 97. 9. 34. 27. A. 5. 3. N. 11. 36.

c. वि *id.* Mah. 1. 1421.: रत्नांसि मुकुटान्य् एषाम् उत्थितानि व्यधर्षयन्.

धॄ 9. *P.* धृणामि senescere. *Cf.* जॄ.

धे 1. *P.* bibere. Man. 4. 59.: न वारयेद् गान् धयन्तीम्; Mah. 3. 10452.: धास्यति किम्; 10453.: माम् अयन् धास्यति; Nalod. 2. 11.: मधु नानाविधम् अधयत्. (Cf. दधि; slav. *dojû* mulgeo; lith. *dê-lê* sanguisuga; goth. *daddja* lacto, mammam praebeo; gr. *θῆσαι, θῆσθαι, θηλή, θῆλυς, τίτθη, θοίνη*; germ. vet. *tuta, tutta* mamma (nostrum *Zitze*), cujus syllaba reduplicativa respondet sanscrito द् in praet. redupl. दधौ (a धा, v. gr. min. 353.), attenuato अ in *u*; hib. *daif f.* «drink» fortasse forma redupl. cum *f* pro ध् sicut e. c. in lat. *fumus* = धूम, v. gr. comp. 11.).

धेनु *f.* (r. धे s. नु) vacca lactaria.

धैर्य *n.* (a धीर firmus, s. य) firmitas, constantia. In. 5. 55. Su. 3. 24. N. 3. 17.

धोर् 1. *P.* (गतिचातुर्ये) ire, currere; habilem, dexterum esse. (*Cf.* तुर्, तूर्, त्वर्.)

धौत v. धाव्.

धौम्य *m.* (a धूम s. य) *n. pr.*

ध्मा 1. (in tempp. special. धम्) flare, inflare, sufflare, flando excitare *ignem.* Bh. 1. 12.: शङ्खन् दध्मौ; Sa. 5. 77.: वायुना धम्यमानः ... अग्निः; Mah. 2. 2483.: धमेच् क्रान्तम् पावकम्. *Trop.* ध्मात inflatus. (Lat. *flare,* cum *f* pro ध् sicut in *fumus* = धूम mutatis liquidis *m, l*; v. gr. comp. 20.; germ. vet. *dun-s-t, tun-s-t* procella, cum *s* euphon., v. gr. comp. 95.; *blâjan, blâhan, blâsan* flare; gr. *σμώ-νη, σμώ-ς, σμ* pro *θμ*, sicut e. c. in *πέπεισ-μαι* pro *-θμαι*, cf. Pott. I. 187.)